Class - B.Com I
Subject - BMC
Paper - I (S)
Topic - Motivation
Lecture - 23

By Dr C P Sahu
Marwari College, DAR

(1)

अभिप्रेरणा (Motivation)

मनुष्य जब कार्य करता है तो इसके पीछे उसकी कोई न कोई ऐसी बात है जो कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। प्रबन्धकों द्वारा कार्य करवाने के लिए प्रोत्साहित या उत्साहित करने को अभिप्रेरणा कहते हैं। प्रबंधकों द्वारा अपने कर्मचारियों को इसलिए अभिप्रेरित करता है क्योंकि जिससे संस्था के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके।

अभिप्रेरणा शब्द प्रेरणा (Motive) से निकला है। प्रेरणा मानवीय आवश्यकताओं की अभिव्यक्ति है। कार्य करने के लिए प्रेरित करने वाली इन आवश्यकताओं को प्रेरणा कहा जाता है।

अभिप्रेरणा की परिभाषा विभिन्न विद्वानों ने दी है:-

W. G. Scott - "अभिप्रेरणा का अर्थ अपेक्षित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु कार्य करने के लिए लोगों को प्रेरित करने की प्रक्रिया से है।"

Beach - के अनुसार - "अभिप्रेरणा को किसी लक्ष्य अथवा पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी शक्ति के प्रयोग करने की तत्परता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।"

Shortle के शब्दों में - "अभिप्रेरणा एक निश्चित दिशा में अग्रसर होने अथवा निश्चित लक्ष्य को प्राप्त करने की उत्कृष्ट इच्छा या तनाव को कहते हैं।"

Donnel के अनुसार - अभिप्रेरित करना लोगों को इच्छित तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित करना है।"

इस प्रकार उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर

Scanned with CamScanner

हम कह सकते हैं कि अभिप्रेरणा का मतलब या तात्पर्य उन मनोवैज्ञानिक उत्तेजनाओं से है जो संगठन के विभिन्न स्तरों पर कर्मचारियों को कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं जिससे उन्हें अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो सके।

<u>अभिप्रेरणा के उद्देश्य</u>. (1) संस्था के उद्देश्यों की प्राप्ति करना (2) कर्मचारियों की कार्यकुशलता में वृद्धि करना (3) संस्था में कार्यरत कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त करना (4) कर्मचारियों की आर्थिक, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक जरूरतों की पूर्ति करना (5) मधुर श्रम सम्बन्धों की स्थापना करना (6) उत्पादन में वृद्धि करना (7) कर्मचारियों के बीच पारस्परिक सहयोग की भावना में वृद्धि करना इत्यादि

... में वृद्धि करना इत्यादि

अभिप्रेरणा के विशेषताएँ, प्रकृति या लक्षण :

(1) सहयोग प्राप्त का कार्य (2) यह कार्य करने की इच्छा है (3) आर्थिक तथा अनार्थिक अभिप्रेरणा (4) यह आवश्यकताओं की संतुष्टि है। (5) मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया (6) उद्दीपन कार्य (A Stimulant Job) (7) मानव शक्ति से सम्बद्ध कार्य (8) गतिशील तथा चक्रीय प्रक्रिया (9) मनोबल एवं उत्पादकता से भिन्न (10) अभिप्रेरणा एक प्रक्रिया है।

अभिप्रेरणा के महत्व, लाभ एवं आवश्यकता :—

(1) मानवीय सम्बन्धों की स्थापना के लिए — मानवीय सम्बन्धों की विचारधारा इस बात पर जोर देती है कि कर्मचारी पहले मानव है और बाद में कर्मचारी कर्मचारियों के साथ मानवीय सम्बन्ध रखने पर उत्पादकता में वृद्धि होती है।

(2) कर्मचारियों की कार्य संतुष्टि को उपलब्ध कराने हेतु अभिप्रेरणा का महत्व बढ़ जाता है।

(3) कार्यक्षमता में वृद्धि करने के लिए अभिप्रेरणा का

classmate

Date ______
Page ______ (4)

बढ़ता ही रहता है।

(4) कार्य के प्रति रुचि जाग्रत करने के लिए उन्हें विभिन्न प्रकार के प्रेरणाएँ दी जाती हैं।

(5) निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए - अभिप्रेरणाओं से कर्मचारियों की कार्य करने की उच्च शक्ति बढ़ती है जिससे निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक होती है।

(6) कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त करने के लिए - कर्मचारी अपने अधिकारियों और सहयोगियों दोनों के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार करते हैं।

(7) कर्मचारियों के मनोबल में वृद्धि - कर्मचारियों को दी गई प्रेरणाएँ निश्चित ही मनोबल को बढ़ाता है।

(8) कर्मचारी के आवागमन को रोकने के लिए तो अभिप्रेरणा रामबाण की तरह है।

(5)

9) नवीन साधनों के प्रयोग के लिए कर्मचारी को उत्प्रेरित करना

10) अच्छे श्रम सम्बन्धों के निर्माण के लिए - अभिप्रेरित कर्मचारीगण नकारात्मक विचारधारा के जगह पर सकारात्मक विचारधारा अपनाते हैं।

11) कर्मचारियों को सामाजिक, मानसिक, शारीरिक, आर्थिक सभी प्रकार की जरूरतों की संतुष्टि प्रदान करने के लिए वित्तीय तथा अवित्तीय प्रेरणाएँ दी जाती हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि अभिप्रेरणा की समस्या व्यावहारिक प्रबन्ध की एक कुँजी या चाबी है तथा प्रबन्ध अधिकारी का प्रमुख कार्य है।

—— x ——

Scanned with CamScanner